10 BOARD-CBSE
SUBJECT : HINDI
DATE : 19/03/2019
CODE : 4/2/3
CLASS : X

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में **चार** खंड हैं – **क, ख, ग** और **घ** ।*
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड (क)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

आज का विद्यार्थी भविष्य की सोच में कुछ अधिक लग गया है। भविष्य कैसा होगा वह भविष्य में क्या बनेगा, इस प्रश्न को सुलझाने में या दिवास्वप्न देखने में वह बहुत सम नष्ट कर देता है। भविष्य के बार में सोचिए जरूर, लेकिन भविष्य को वर्तमान पर हावी में होने दीजिए क्योंकि वर्तमान ही भविष्य की नींव बन सकता है। अतः नींव को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि भान तो भविष्य का भी हो, लेकिन ध्यान वर्तमान पर रहे। आपकी सफलता का मूलमंत्र यही हो सकता है कि आप एक स्वप्न लें, सोचें, कि आपको क्या बनना है और क्या करना है और स्वप्न लें, सोचें, कि आपको क्या बनना है और क्या करना है। और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारम्भ करें। वर्तमान रूपी नींव को मजबूत करें और यदि वर्तमान रूपी नींव सबल बनती गई, तो भविष्य का भवन भी अवश्य बन जाएगा। जितनी मेहनत हो सके, उतनी मेहनत करें और निराशा को जीवन में स्थान न दें। यह सोचते हुए समय खराब न करें कि अब मेरा क्या होगा, मै सफल भी हो पाऊँगा या नहीं? ऐसा करने में आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है, तो समय उसे नष्ट कर देता है। वर्तमान में समय का सदुप्रयोग भविष्य के निर्माण में सदा सहायक होता है। भविष्य के बारे में अधिक सोच या अधिक चर्चा करने से चिताएँ घेर लेती है। ये चिताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पत्र करती है। ये बाधाएँ हमारे उत्साह, को लगन ककी धीमा करती है और लक्ष्य हमसे दूर होता चला जाता है। निः सदेह भविष्य के लिए योजनाएँ बनानी चाहिए, किन्तु वर्तमान को विस्मृत नहीं करना चाहिए। भविष्य की नींव बनाने में वर्तमान का परिश्रम भविष्य की योजनाओं से अधिक महत्वपूर्ण है।

(क) आज का विद्यार्थी अपना समय किन बातों में नष्ट कर देता है? इसे त्याज्य क्यों माना गया है?
(ख) हमारी सफलता का मूलमंत्र क्या हो सकता है और कैसे?
(ग) समय का हमारे जीवन में क्या महत्व बताया गया है?
(घ) हम अंततः लक्ष्य से कैसे दूर होते जाते है? इससे कैसे बचा जा सकता है?
(ड) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपर्युक्त शीर्षक दीजिए।

उत्तर– (क) आज का विद्यार्थी भविष्य की सोच में भविष्य कैसा होगा, वह भविष्य में क्या बनेगा, इस प्रश्न को सुलझाने में या दिवास्वप्न देखने में वह बहुत समय नष्ट कर देता है। इसे त्याज्य इसीलिए माना गया है क्योकि भविष्य के बारे में अधिक सोच या अधिक चर्चा करने से चिंताएँ घेर लेती है। ये चितांएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती है।

(ख) नीवं को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि भान तो भविष्य का भी हो, लेकिन ध्यान वर्तमान पर रहे। सफलता का मूल मंत्र यही हो सकता है कि हम एक स्वप्न लें, सोंचे कि आपको क्या बनना है और क्या करना है और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारम्भ करें। इस तरह ही हम सफलता प्राप्त कर सकते है।

(ग) भविष्य के विषय में सोचते हुए समय खराब न करे कि अब मेरा क्या होगा, मै सफल भी हो पाऊँगा या नहीं? ऐसा करने में आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है, तो समय उसे नष्ट कर देता है। समय का सदुपयोग भविष्य के निर्माण में सदा सहायक होता है।

(घ) भविष्य के विषय में अत्यधिक सोचने तथा चर्चा करने से चिंताएँ हमें घेर लेती है। ये चिंताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती है। ये बाधाएँ हमारे उत्साह को लगन को धीमा करती है और हम लक्ष्य से दूर हो जाते है। इससे बचने के लिए हमें भविष्य के लिए योजनाएँ तो बनानी चाहिए लेकिन वर्तमान को विस्मृत नहीं करना चाहिए।

(ड.) ''विद्यार्थी जीवन में भविष्य की सोच''

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मेरे अंदर एक देश बसता है
जिंदगी से हारकर जब उदास होता है वह
प्यार देता है
दुलार देता है
अपनी बाँहों में कसता है!
मेरे अंदर
एक सभ्यता है
एक संस्कृति है
जो जीने की राह बताती है
सदियों पुरानी होकर
अमर–नवीन कहलाती है !
स्कूल–कालेज–अस्पताल
कल–कारखाने –खेत
नहरें–बाध–पुल है,
जहाँ श्रम के फूल खिलते है
और अड़सठ करोड़ लोग एक–दूसरे के गले मिलते है।
मेरे अंदर
कश्मीर–ताज–अजंता–एलोरा का
कुँआरा रूप झिलमिलाता है
हर नई साँस के संग
नया सूरजमुखी खिलखिलाता है।

(क) कवि के मन में जो देश बसा है, वह उसे निराशा के अवसरों पर भी क्या देता है?
(ख) देश की सभ्यता संस्कृति की विशेषताएँ क्या है?
(ग) आशय स्पष्ट कीजिएः

''हर नई साँस के संग
नया सूरजमुखी खिलखिलाता है।''

अथवा

तरूण,
तुम्हारी शक्ति अतुल है

जहाँ कर्म में वह बदली है
वहाँ राष्ट्र का नया रूप
सम्मुख आया है
वैयक्तिक भी कार्य तुम्हारा
सामूहिक है
और
जहाँ हो
वही तुम्हारी जीवनधारा
जड़–चेतन को
आप्यायित, आप्लावित करती है
कोई देश
तुम्हारी साँसों से जीवित है
और तुम्हारी आँखों से देखा करता है
और तुम्हारे चलने पर चलता है
संकल्पों में इतनी है शक्ति तुम्हारे
जिससे कोई राष्ट्र बना–बिगड़ा करता है।

(क) राष्ट्र का नवीन रूप कब उभरता है और कैसे?
(ख) युवकों की जीवनधारा जड़–चेतन को किस प्रकार तृप्त करती है?
(ग) आशय स्पष्ट कीजिएः

''संकल्पों में इतनी है शक्ति तुम्हारे
जिससे कोई राष्ट्र बना–बिगड़ा करता है।''

उत्तर– (क) जब राष्ट्र की युवा पीढ़ी कर्मशील है तब राष्ट्र हमेशा नये–नये रूप लेकर आता है, लेकिन युवा पीढ़ी के द्वारा किए गए प्रयाय सामूहिक होने चाहिए।

(ख) युवकों की जीवनधारा जड़–चेतन को तृप्त करती है जब युवकों के सारे प्रयास राष्ट्रहित में हो चाहे व्यक्तिगत हो या फिर सामूहिक हो। सभी युवको का उद्देश्य एक ही होना चाहिए।

(ग) प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि देश की युवा पीढ़ी शक्ति वर्धक है कि चाहे तो देश की तस्वीर बना भी सकते है और बिगाड भी सकते है।

खण्ड (ख)

3. शब्द वाक्य में प्रयुक्त होने पर क्या कहलाता है? उदाहरण देकर समझाइए।

अथवा

शब्द किसे कहते है? उदाहरण देकर शब्द और पद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– शब्द वाक्य में प्रयुक्त होने पर पद कहलाते है क्योकि शब्द जब पद का रूप लेते है तो व्याकरणिक प्रभाव से युक्त होता है।
जैसे– राम पुस्तक पढ़ता है।

राम, पुस्तक, पढ़ता है, चार पद है।

4. नीचे लिखे वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर रूपांतरण कीजिए।
(क) ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। (मिश्र वाक्य में)
(ख) ततॉंरा ने विवश होकर आग्रह किया। (संयुक्त वाक्य में)
(ग) आप जो कुछ कह रहे है वह बिल्कुल सच है। (सरल वाक्य में)
(घ) प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों के जीवन से आदर्श धीरे–धीरे पीछे हटने लगते है। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर– (क) जहॉं गवालियर में हमारा एक मकान था, वहॉं मकान के दालान में दो रोशनदान थे।
(ख) ततॉंरा विवश हुआ और फिर उसने आग्रह किया।
(ग) आपने जो ने कुछ कहा वह बिल्कुल सच है।
(घ) प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों के जीवन में जो आदर्श थे वो धीरे–धीरे पीछे हटने लगे।

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो पदों का समास–विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिएः
ग्रंथकार, देशनिर्वासित, सज्जन
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिएः
(i) जो नभ में विचरण करता है
(ii) सीमा का प्रहरी
(iii) आठ अध्यायों का समूह

उत्तर– (क) ग्रन्थ को लिखने वाला – कर्म तत्पुरूष समास
(ख) देश से निर्वासित – अपादान तत्पुरूष समास
(ग) अच्छे है जो जन – कर्मधारय समास

(ख) **(i)** नभचर **(ii)** सीमाप्रहरी **(iii)** अष्टाध्याय

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध कीजिएः
(क) बड़ी ईमानदारी एक दुर्लभ वस्तु है।
(ख) श्रुति, नीति और सुषमा आने वाली है।
(ग) पुलिस आयुक्त ने स्वयं पूरे मामले की जॉंच की गई।
(घ) आप हमें यही सिखाई थी।
(ड) मैंने भी धार्मिक पुस्तकें और ग्रंथ पढ़ी है।

उत्तर– (क) ईमानदारी बड़ी दुर्लभ है।
(ख) श्रुति, नीति और सुषमा आने को है।
(ग) पुलिस आयुक्त के द्वारा मामले की जॉंज की गई।
(घ) आपने हमें यही सिखाया था।
(ड) मैने भी धार्मिक पुस्तके और ग्रन्थ पढ़े है।

7. किन्हीं दो रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिएः
(क) मुझे ––––––– मत समझना, मैं तुम्हारी हर चाल समझता हूँ।
(ख) तुम तो हर छोटी–बड़ी बात पर ––––––– लेते हो।
(ग) भारतीय सैनिकों ने दुश्मन की सेना के ––––––– दिए।

उत्तर– (क) उल्लू
(ख) मूँह मोड़
(ग) छक्के घुड़ा

खण्ड (ग)

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) वर्तमान समय में शाश्वत मूल्यों की क्या उपयोगिता है? 'गिन्नीका सोना' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) तताँरा–वमीरों की त्यागभरी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

(ग) कलकत्तावासियों के लिए 26 जनवरी, 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?

उत्तर– (क) मेरे विचार में सत्य अहिंसा, परोपकार त्याग, समानता, करूणा आदि शाश्वत मूल्य है। वर्तमान समय में लोगों में स्वार्थपरता, आत्मकेंद्रितता, वैचारिक संकीर्णता, ऊँच–नीच की भावना आदि बढ़ी है। समता और समरसता की भावना कहीं खो–सी गई है। आज सत्य की जगह असत्य का अहिंसा की जगह हिंसा का, त्याग की जगह छीना–झपटी का बोलबाला है। सामाजिक समरसता कहीं खो–सी गई है। लोग एक दूसरे पर हावी होना चाहते है ऐसे में एक स्वस्थ्य और आदर्श समाज के निर्माण सत्य, अहिंसा, त्याग, परोपकार, विश्व बंधुत्व की भावना आदि मूल्यों की अत्यंत आवश्यकता है। ऐसे में इनकी प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

(ख) तताँरा–वमीरों की त्यागभरी मृत्यु के बाद निकोबार में यह परिवर्तन आया कि निकोबारी दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबध बनाने लगे।

(ग) कलकत्ता के लोगों के लिए 26 जनवरी, 1931 इसीलिए महत्वपूर्ण था क्योकि लोगों ने इसी दिन स्वतंत्रता दिवस मनाने की पुनवृत्ति करते हुए बढ़–चढ़कर भाग लिया। इसके लिए उन्होने पुलिस की लाठियों की भी परवाह नहीं की।

अथवा

बड़े–बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उत्तर– बड़े–बड़े बिल्डर समुद्र को इसीलिए धकेल रहे थे कि ताकि वे समुद्र के किनारे की जमीन पर कब्जा कर सकें और उस पर बड़ी–बड़ी इमारते खड़ीकर लोगों को बसा सकें। ऐसा करके वे पैसा कमाना चाहते थे

9. ''अब कहाँ दूसरे के दुख.....'' पाठ के आधार पर लिखिए कि बढ़ती हुई जनसंख्या का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। प्रकृति की सहनशक्ति जब सीमा पार कर जाती है, तो क्या परिणाम होते है?

उत्तर– बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ की जाती है। आवास के लिए जमीन चाहिए इसके लिए वनों को काटा जाता है। इससे पर्यायवरण में असंतुलन उत्पन्न होता है। इसी प्रकार मुंबई के पास समुद्र के किनारे को ऊँचा बनाकर उस पर बहुमंजिली इमारतें बनाई गई, जिससे समुद्र को सिमटने पर विवश होना पड़ा और उसका प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट हो गया।

अथवा

जापान में अधिकांश लोगों के मनोरूग्ण होने के क्या कारण है? तनाव से मुक्ति दिलाने में झेन परंपरा की चा–नो–यू विधि किस प्रकार सहायक है?

उत्तर– परंपराएँ जो सदियों से चली आ रही है, कालांतर में अपना स्वरूप खो बैठती है। वे बदलते समय की आवश्यकतानुसार प्रासंगिक नही रह जाती है। उनसे फायदा कम हानि अधिक होने लगती है। ऐसे में ये परंपराएँ रूढ़ियाँ बनकर समाज के लिए बंधन सिद्ध होती है। ऐसी रूढ़ियों का टूट जाना ही अच्छा होता है।

इसका कारण यह है कि मानव–विकास के लिए परंपराएँ बनाई और निभाई जाती है। मनुष्य इनसे बहुत ऊपर है, अतः मानव का अहित करने वाली रूढ़ियों का टूटना ही अच्छा है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कबीर की साखी के आधार पर लिखिए कि ईश्वर वस्तुतः कहाँ है। हम उसे क्यों नहीं देख पाते?

(ख) सुमित्रानंदन पंत ने 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में तालाब की तुलना किससे की है और क्यों?

(ग) कवि किन दिनों में प्रभु की याद बनाए रखना चाहता है? 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर लिखिए।

अथवा

गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती है? 'बिहारी के दोहे' के आधार पर लिखिए।

उत्तर– (क) कबीर अनपढ़ थे 'परन्तु अनुभवी एवं ज्ञानी बहुत थे। वे भाषा के प्रयोग में नियमों के पालन या अवहेलना करने की परवाह किए बिना' बिना लाग–लपेट अपनी बात कह जाते है। उनकी भाषा में एक आरे अवधी के शब्द मिलते है तो दूसरी ओर पहाड़ी औरा राजस्थानी के शब्द भी भरपूर मात्रा में मिलते है। इसके अलावा उनकी भाषा में आम बोलचाल के शब्दों का भी प्रयोग है।

(ख) कवि ने तालाब की समानता दर्पण के समान दिखाई है। इसका कारण यह है कि पर्वतीय प्रदेश में पर्वत के पास स्थित जल से परिपूर्ण तालाब का जल अत्यंत स्वच्छ है। इसी जल में पहाड़ का प्रतिबिंब बन रहा है जिसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मानों तालाब दर्पण हो। पहाड़ भी इस तालाब रूपी दर्पण में अपना प्रतिबिम्ब निहारकर आत्ममुग्ध हो रहा है।

(ग) गोपियों की इच्छा रहती थी कि वे कृष्ण से बातें करते हुए बातों का आनंद उठाएँ। इसके लिए वे तरह–तरह की शरारतें करती है। वे कृष्ण की मुरली को छिपा देती है और कृष्ण के पूछने पर वे साफ मना कर जाती है, परन्तु आँखों की भौंहों से हँसकर मुरली अपने पास होने का संकेत दे देती हैं ताकि कृष्ण उनसे बार–बार मुरली के बारे में पूछें तथा वे बतरस का आनंद उठा सकें। यही कारण है कि गोपियाँ कृष्ण की मुरली को छिपा देती है।

11. मीरा के पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि वह भक्त की विपत्ति दूर करने के लिए किन प्रसंगों की याद कृष्ण को दिखाती है और उन्हें पाने के लिए क्या–क्या कार्य करने को तत्पर है?

अथवा

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– पहले पद से पता चलता है कि कवयित्री मीरा अपने आराध्य श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त है। वे अपनी पीड़ा निवारण के लिए श्रीकृष्ण को उनकी क्षमताओं का गुणगान कराते हुए स्मरण कराती है। वे श्रीकृष्ण को उसी तरह अपनी मदद करने की विनती करती हैं जैसे श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की चीर बढ़ाकर उनकी मदद की थी; नरसिंह रूप धारण कर हिरणकश्यप को मारकर प्रहलाद की मदद की थी और मगरमच्छ को मारकर डूबते गजराज को पीड़ा से मुक्ति दिलाई थी।

12. 'टोपी शुक्ला' कहानी हमें क्या संदेश देती है? भारतीय समाज के लिए यह कैसे लाभकारी हो सकता है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

अथवा

हरिहर काका के जीवन में आई कठिनाइयों का मूल कारण क्या था? ऐसी सामाजिक समस्या के समाधान के क्या उपाय हो सकते है? लिखिए।

उत्तर– यदि हमारे समाज में हरिहर काका जैसा व्यक्ति है तो अपने व्यस्ततम समय से कुछ समय निकालकर उसके साथ बातें करेंगे ताकि उसका एकाकीपन दूर हो सके। उसकी आवश्यकता के बारे में पूछेंगे तथा यथासंभव उसको पूरा करने का प्रयास करेगे। इसके अलावा खुश रखने का हर संभव प्रयास करेगें।
हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती तो स्थिति एकदम विपरीत होती। हरिहर काका के अपहरण की बात अखबार और अन्य संचार माध्यमों की आवाज बन जाती। इससे पुलिस तत्काल महंत, साधुजन और उनके पक्षधरों पर कार्यवाही करती। इसी प्रकार हरिहर काका के भाइयों की अत्याचार की खबर प्रकाशित होते ही उनके विरूद्ध कार्यवाही होती और हरिहर काका की मदद के लिए अनेक समाज सेवी तथा वृद्धाश्रम संचालक तैयार हो जाते। इतना ही नहीं समजा के कुछ सहृदय व्यक्ति उन्हें गोद ले लेते। संभवतः स्वयंसेवियों द्वारा दायर किसी याचिका पर फैसला सुनाते हुए न्यायालय उनके भाइयों को जमीन देने के बदले हरिहर काका के लिए गुजारा भत्ता तय कर देता। ऐसी स्थिति में हरिहर काका को अपने भाइयों और ठाकुरबारी के भय के साये में न जीना पड़ता और उनकी ऐसी दुर्गति न होती और वे गूँगेपन का शिकार न होते।

खण्ड (घ)

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 - 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

(क) पहला सुख– निरोगी काया

- आशय
- व्यायाम और स्वास्थ्य
- समाज को लाभ

(ख) मोबाइल फोन

- लोकप्रियता
- सूचना क्रांति
- लाभ–हानि

(ग) एक ठंडी सुबह

- कब, कहाँ
- क्यों है याद
- क्या मिली सीख

उत्तर–(ख) मोबाइल आज विश्व में क्रांति का वाहक बन गया है। बिना तारों वाला मोबाइल फोन जगह–जगह लगे ऊँचे टॉवरों से तरंगों को ग्रहण करते हुए मनुष्य को दुनिया के प्रत्येक कोने से जोड़े रहता है। मोबाइल फोन सेवा पदान करने के लिए विभिन्न टेलीफोन कंपनियाँ अपनी–अपनी सेवाएँ देती हैं।

मोबाइल फोन बात करने, एसएमएस की सुविधा प्रदान करने के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के खेल, कैलकुलेटर, फोनबुक की सुविधा, समाचार, चुटकुले, इंटरनेट सेवा आदि भी उपलब्ध कराता हैं। अनेक मोबाइल फोनों में इंटरनेट की सुविधा भी होती है, जिससे ई–मेल भी किया जा सकता है। मोबाइल फोन सुविधाजनक होने के साथ ही नुकसानदायक भी है।

मोबाइल फोन का सबसे बड़ा दोष यह है कि यह समय–समय बजता ही रहता है। लोग सुरक्षा और शिष्टाचार भूल जाते है। अकसर लोग गाड़ी चलाते समय भी फोन पर बात करते हैं, जो असुरक्षित ही नहीं, बल्कि कानूनन अपराध भी है। अपराधी एवं असामाजिक तत्त्व मोबाइल का गलत प्रयोग अनेक प्रकार के अवांछित कार्यो में करते हैं। इसके अधिक प्रयोग से कानों व दिल पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अतः इन खतरों से सावधान होना आवश्यक है।

14. आपकों विद्यालय में खेलने का अवसर नही मिलता। कह दिया जाता है कि छात्र संख्या अधिक होने से सबके लिए व्यवस्था नहीं हो सकती। प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर इस समस्या पर चर्चा कीजिए और एक उपाय भी सुझाइए।

अथवा

मेट्रो में यात्रा करते हुए अपना कीमती सामान वाला बैग आप भूल गए। तुंरत शिकायत करने के बाद अगले दिन आपको अपना बैग वापस मिल गया। प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए किसी पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

उत्तर– सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय,

केन्द्रीय विद्यालय (राज.)

विषय – खेल का अवसर न मिलने हेतु प्रार्थना पत्र।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा–दसवीं का छात्र हूँ, हमारे विद्यालय में हमारी कक्षा हर सप्ताह दो से तीन बार खेल के लिए मैदान में जाती है लेकिन इस वर्ष छात्रों की संख्या अधिक होने के कारण पूर्ण रूप से हम खेल नहीं पाते।

अतः आपसे अनुरोध है कि छात्र संख्या के देखते हुए प्रत्येक विद्यार्थी को खेल का अवसर प्रदान करे।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

ABC

15. एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें सभी विद्याथियों से निर्धन बच्चों के लिए 'पुस्तक–कोष' में अपनी पुरानी पाठय–पुस्तकों का उदारतापूर्वक योगदान देने हेतु अनुरोध किया गया हो।

अथवा

आपकों विद्यालय में एक बटुआ मिला है, जिसमें कुछ रूपयों के साथ कुछ जरूरी कार्ड भी है। छात्रों से इसके मालिक की पूछताछ और वापस पाने की प्रक्रिया बताते हुए 25-30 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर–

परीक्षा भवन, कोटा (राज.)

दिनांक 19 फरवरी 2019

सूचना

समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि बोर्ड परीक्षा के उपरान्त अपनी–अपनी पुस्तकें 'पुस्तक–कोष' में जमा कर दें जिससे हम सभी निर्धन छात्र–छात्राओं को निःशुल्क वितरण कर सकें हम सब सहयोग सभी के लिए अपेक्षित है

निवेदक/अनुरोध
सहयोगी
प्रकोष्ठ

16. आपको टी.वी. देखना बहुत पसंद है परन्तु आपकी माताजी को यह समय की बर्बादी लगती है। आपके और आपकी माताजी के बीच जो संवाद होगे, उन्हे लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

अथवा

एक दुर्घटना के बाद दो बच्चों में सड़क सुरक्षा की समस्या पर परस्पर संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

उत्तर– निरंजन–सुमित! तुम अपनी साइकिल बहुत तेज चलाते हो, स्कूल जाते समय तुम्हें साइकिल चलाता हुआ देखकर मुझे डर लगता है।

सुमित – अरे मित्र! इसमें डरने की क्या बात है?

निरंजन – लगता है आजकल तुम समाचार नहीं देखते या सुनते हो तुम्हे पता है सुबह के समय ही अधिक दुर्घटनाएँ होती है।

सुमित – हाँ ! मैंने सुना था।

निरंजन – तेज गति से वाहन चलाने और यातायात के नियमों का पालन न करने के कारण अधिक दुर्घटनाएँ होती है।

सुमित – हाँ, मित्र तुम ठीक कहते हो। मुझे भी इस बारे में सतर्क रहना चाहिए।

निरंजन – आगे से इस बात का जरूर ध्यान रखना कि कभी भी सड़क पर तेज साइकिल मत चलाना।

सुमित – ठीक है मित्र!

17. दिल्ली पुस्तक मेले में भाग ले रहे 'क–ख–ग' प्रकाशन की ओर से लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

अथवा

सूती वस्त्र तैयार करने वाली कंपनी 'क–ख–ग पैरहन' की ओर से दी जा रही छूट का उल्लेख करते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर–

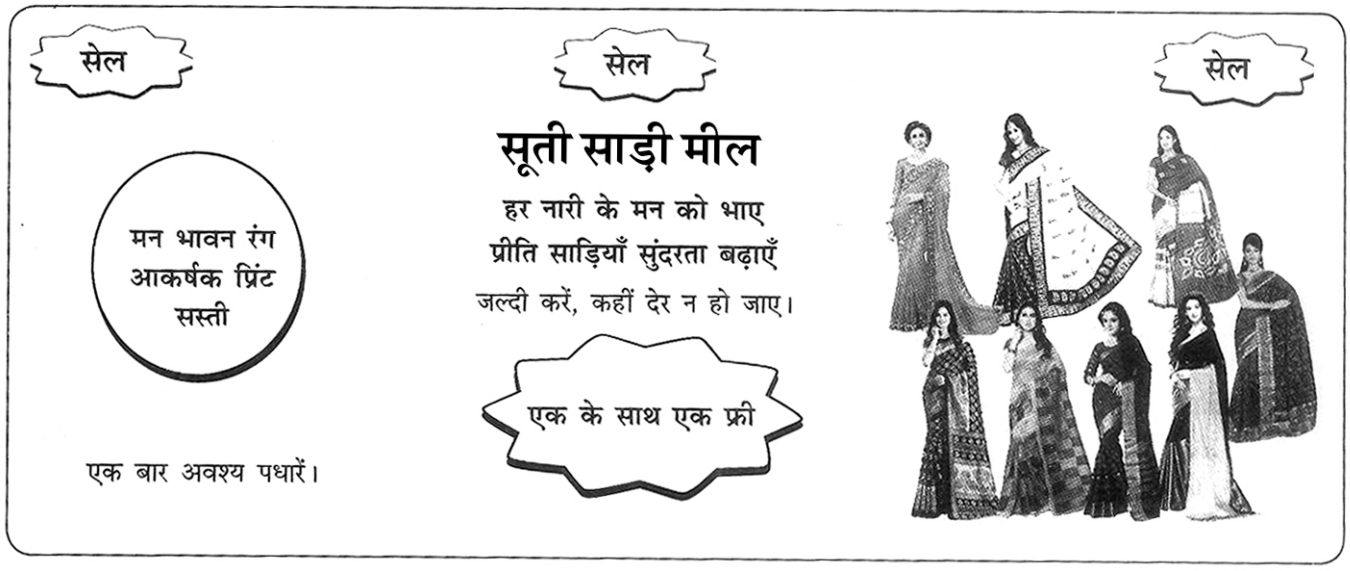
सेल
सेल
सेल
सूती साड़ी मील
हर नारी के मन को भाए
प्रीति साड़ियाँ सुंदरता बढ़ाएँ
जल्दी करें, कहीं देर न हो जाए।
मन भावन रंग
आकर्षक प्रिंट
सस्ती
एक के साथ एक फ्री
एक बार अवश्य पधारें।